पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, बृहस्पतिवार, 5 अगस्त 2021 पेज 8

अत्याधुनिक तकनीक वाली बाईपलेन कार्डिक कैथ लैब ने कार्य करना शुरू किया।

लाइसेंस जारी करते समय पूरी प्रक्रिया का ठीक से अनुपालन करें

निर्देश

■ ''सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए इनोवेटिव विकल्पों और हरसंभव प्रयासों को संजीदगी से अमल में लायें'': सीएस

संवाददाता

देहरादून। ''सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए इनोवेटिव विकल्पों और हरसंभव प्रयासों को संजीदगी से अमल में लायें''। मुख्य सचिव एस.एस.संधु ने सचिवालय सभागार में राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में संबंधित अधिकारियों को उपरोक्त दिशा–निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि लोगों का जीवन बचाना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए और इसके लिए विभिन्न विभागों को अपने विभागीय स्तर पर तथा सामूहिक समन्वय से जरूरी कदम उठाये जाने चाहिए। सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी न की जाए और सुधारीकरण के कार्यों की तीव्र प्रगति के लिए नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि विभिन्न श्रेणी के लाइसेंस बनाते समय ट्रायल–ट्रेस्टिंग की वीडियो रिकॉर्डिंग रखें तथा ट्रायल का डेटा पोर्टल पर अपलोड करें ताकि कोई भी व्यक्ति किसी भी मीडिएटर(मध्यस्थ) के माध्यम से लाइसेंस न बनवा सके। उन्होंने परिवहन विभाग और यातायात पुलिस को निर्देश दिए कि मुख्य चौराहों और मुख्य सार्वजनिक रूट पर सी.सी.टी.वी कैमरे के साथ ही राडार और स्पीड इन्टरसेप्टर तकनीक का इस्तेमाल करें और इस तकनीक को चौपहिया और दो पहिया वाहनों में भी लगाएं। साथ ही इसका नियमित सुपरविजन करते हुए ओवरस्पीडिंग, रैश डाइविंग और सड़क सुरक्षा के प्रावधानों का उल्लंघन करने वालों पर सक्रियता से एक्शन लेते हुए सड़क सुरक्षा के जोखिम को न्यूनतम करें।

मुख्य सचिव ने लोक निर्माण विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को ब्लैक स्पॉट और वलनरेबल क्षेत्रों को ए, बी व सी श्रेणी में वर्गीकृत करते हुए तदनुसार जोखिम की अधिकता के अनुसार सुधारीकरण से संबंधित सभी कार्य संपन्न करने के निर्देश दिये। निर्देशित किया कि जहां तक संभव हो सके सड़क मार्गों पर साईकिल ट्रैक का भी निर्माण करें, विशेषकर औद्योगिक क्षेत्रों में जहां पर कामगारों(श्रमिकों) का आना–जाना रहता है, वहां पर साईकिल ट्रैक जरूर बनायें। विभिन्न रूट पर स्पीड ब्रेकर व रम्बल स्ट्रीप इस तरह से बनायें ताकि औसतन गति से वाहन चलाने वाले को अनावश्यक परेशानी न हो।

मुख्य सचिव ने अवैध मीडियन्स को तत्काल बंद करने, मुख्य मार्ग से 90 डिग्री पर सीधे मिलने वाले संपर्क मार्ग अथवा रास्तों पर जरूरी सुरक्षा उपाय करने और पहाड़ी क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार क्रैश बैरियर लगाने के निर्देश दिए। परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि सुरक्षा मानकों का दूसरी बार उल्लंघन करने वाले वाहन चालक के डाइविंग लाईसेंस को छः माह के लिए तथा तीसरी बार उल्लंघन करने पर एक वर्ष के लिए लाईसेंस को निलंबित करें। कहा कि बिना हेलमेट वाहन चलाने वालो से हेलमेट का चार्ज लेते हुए नया हेलमेट दें, साथ ही मानक के अनुरूप जुर्माना की जितनी धनराशि है, उसका 50 प्रतिशत धनराशि भी वसुले।

लंबित मजिस्ट्रेट जांच को दो माह के भीतर निस्तारण करें

मुख्य सचिव ने वीडियो कन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित पूर्व की जितनी भी मजिस्ट्रेट जांच अभी तक लंबित है, उसका दो माह के भीतर निस्तारण करें, साथ ही आगे से प्रत्येक मजिस्ट्रियल जांच को प्रत्येक हाल में तीन माह के भीतर निस्तारित करें। ऑटोमेटेड टेस्टिंग लेन, डाइविंग स्कूल और फिटनेस टेस्ट लेन बनवाने के लिए भूमि का तत्काल सर्वे किया जाए तथा इस संबंध में यदि निजी संस्थानों का भी सहयोग लिया जा सकता है तो उस पर भी विचार करें।

मोबाइल एप्लीकेशन 'उत्तराखण्ड भूकंप अलर्ट' एप का शुभारम्भ

लांच

■ उत्तराखण्ड यह एप बनाने वाला पहला राज्य, सीएम ने किया लांच

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में मोबाइल एप्लीकेशन '' उत्तराखण्ड भूकंप अलर्ट'' एप का शुभारम्भ किया। उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, आपदा प्रबंधन विभाग एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की के सौजन्य से बनाये गये इस एप के माध्यम से भूकम्प से पूर्व चेतावनी मिल जायेगी।

उत्तराखण्ड यह एप बनाने वाला पहला राज्य है। इससे जन सुरक्षा में मदद मिलेगी। इस एप के माध्यम से भूकंप के दौरान लोगों की लोकेशन भी प्राप्त की जा सकती है। भूकंप अलर्ट के माध्यम से भूकंप से क्षतिग्रस्त संरचनाओं में फँसे होने पर सूचना दी जा सकती है। उत्तराखण्ड भूकंप अलर्ट एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील राज्य है। इस एप के माध्यम से लोगों को भूकंप पूर्व चेतावनी मिल सके, इसके लिए इस एप की लोगों को जानकारी दी जाय। विभिन्न माध्यमों से व्यापक स्तर पर इसका प्रचार प्रसार किया जाय। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा इसकी लघु फिल्म बनाकर जन–जन तक पहुंचाया जाय। स्कूलों में भी बच्चों को लघु फिल्म के माध्यम से इस एप के बारे में जानकारी दी जाय।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों के पास एंड्राइड फोन नहीं है, उनको भी भूकंप से पूर्व चेतावनी मैसेज पहुंच जाय, इस एप के माध्यम से यह सुविधा भी प्रदान की जाय। भूकंप पूर्व चेतावनी में सायरन एवं वायस दोनों माध्यमों से अलर्ट की व्यवस्था की जाय। भूकंप पूर्व चेतावनी के लिए सायरन टोन अलग से हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि भूकंप पूर्व चेतावनी के लिए यह एक अच्छी पहल है।

राज्य की उत्तराखंडियत की रक्षा चुनाव में होगा प्रमुख मुद्दाः हरीश रावत

संवाददाता ऋषिकेश। उत्तराखंड की संस्कृति, परंपरा और उत्पादों की खुले मंच से पैरवी करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री व उत्तराखंड कांग्रेस चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष हरीश रावत इस मुद्दे को आगे रखकर चुनाव मैदान में उतरेंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में प्रमुख तीन मुद्दों में राज्य की उत्तराखंडियत की रक्षा, परिवर्तन और विकास का रोड मैप शामिल है। ऋषिकेश में कांग्रेस के विचार मंथन शिविर के दूसरे दिन बातचीत में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कांग्रेस के विचार मंथन में बहुत महत्वपूर्ण सुझाव आए हैं। इस मंथन से अवश्य अमृत निकलेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक की ओर से कांग्रेस के मंथन पर उठाए गए सवाल का जवाब देते हुए हरीश रावत ने कहा पंचमढ़ी, शिमला से लेकर कांग्रेस की कार्य पद्धति का चिंतन अनिवार्य अंग रहा है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस के चिंतन से भाजपा की चिंता बढ़ गई है।

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड में कोरोना के 37 नए मामले, 42 हुए स्वस्था

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड में कोरोना का खतरा कम जरूर हुआ है, लेकिन टला नहीं है। क्योंकि संक्रमितों की संख्या कम होने के बावजूद नए मामलों में निरंतरता बनी हुई है। बुधवार को प्रदेश में 37 व्यक्तियों में कोरोना की पुष्टि हुई, जबकि संक्रमण दर 0.15 फीसद रही है। राज्य के विभिन्न जिलों में 42 मरीज स्वस्थ भी हुए। राहत की बात ये है कि कोरोना संक्रमित किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

एम्स ऋषिकेश में बाईपलेन कार्डिक कैथ लैब शुरू

संवाददाता ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश के कार्डियोलाजी विभाग में बुधवार से अत्याधुनिक तकनीक वाली बाईपलेन कार्डिक कैथ लैब ने कार्य करना शुरू कर दिया है। नई लैब के स्थापित होने से हार्ट रोगियों को इलाज के लिए अब लम्बा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। थ्री डी तकनीक आधारित यह मशीन विशेष तौर से उन मरीजों के लिए फायदेमन्द है, जिन्हें जम्मजात हृदय संबंधी बीमारियां हैं। लैब के लोकार्पण के अवसर पर मुख्य अतिथि अर्श विद्यापीठ के संस्थापक स्वामी परमात्मानन्द सरस्वती ने कहा कहा कि एम्स ऋषिकेश स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहा है।

मुंबई के तीन युवक गंगा में बहे, रेस्क्यू आपरेशन जारी

संवाददाता ऋषिकेश। मुनीकीरेती थाना क्षेत्र के तपोवन स्थित गंगा बीच होटल के निकट तीन युवक गंगा में बह गए। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर रेस्क्यू कर रही है। जानकारी के मुताबिक तीनों युवक मुंबई के रहने वाले हैं, जो यहां गंगा बीच होटल में ठहरे हुए थे। बुधवार को तीनों युवक होटल के निकट ही गंगा में नहाने के लिए गए थे। जहां एक युवक का पैर फिसल गया। उसके दो अन्य साथी उसे बचाने के प्रयास में गंगा में बह गए। थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीकीरेती कमल मोहन भंडारी ने बताया कि युवकों की तलाश में रेस्क्यू किया जा रहा है।

युवती को डरा धमकाकर दुष्कर्म करने वाला आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता ऋषिकेश। युवती को डरा धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ऋषिकेश कोतवाली क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने मंगलवार को ऋषिकेश कोतवाली में तहरीर दी। जिसमें सिलाई सेंटर में गई थी, तभी अनुज सैनी नाम के एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म कर दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शिशुपाल सिंह नेगी ने बताया कि बुधवार सुबह सूचना मिली आरोपित रेलवे स्टेशन ऋषिकेश के पास कहीं भागने की फिराक में है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।